लंगट सिंह कॉलेज और चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के संयुक्त तत्वावधान में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया.' नेविगेटिंग द स्टार्टअप जर्नी- फ्रॉम आइडिया तो एक्सकुसन' विषय पर आयोजित व्याख्यान की अध्यक्षता बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश चन्द्र राय ने की तथा मुख्य अतिथि सीआईएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह रहे. अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य प्रो ओमप्रकाश राय ने अपने संबोधन में छात्रों से कहा नौकरी चाहने वाले नहीं, नौकरी प्रदाता बनें. उन्होंने कहा विगत वर्षो में एक अच्छे आइडिया, टेक्नोलॉजी के सही प्रयोग और कड़ी मेहनत के बल पर देश की कई स्टार्टअप कंपनिया देश विदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है तथा हजारों लोगों को रोजगार दे रही है. ग्रोथ की जितनी संभावना उद्यमिता के क्षेत्र में है उतनी किसी भी नौकरी में नही है. प्रो राय ने कहा कि कॉलेज अपने छात्रों के उद्यमिता कौशल विकास और संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए समय समय पर विभिन्न सरकारी विभागो के सहयोग से सेमिनार, व्याख्यान वर्कशॉप आदि का आयोजन करता है, उसी कड़ी में ये व्याख्यान आयोजित किया गया है. सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने अपने संबोधन में उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर अवसर की विस्तार से चर्चा करते हुए स्टार्टअप और उद्यमिता विकास के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं और प्रयासों के बारे में बताया.उन्होंने कहा वर्तमान में स्टार्टअप योजनाओं की पूरी जानकारी प्राप्त करना बहुत ही आसान हो गया है.

आईओसीएल के पूर्व ईडी तथा सीआईएमपी के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस श्री विभाष कुमार ने कहा कि नवाचार में असीम संभावना है. उत्पाद और प्रक्रिया नवाचार से लेकर व्यवसाय मॉडल, प्रमुख और सामाजिक नवाचार तक। इन नवाचारों को संपन्न स्टार्ट-अप में बदलने की क्षमता बहुत अधिक है, जिससे इच्छुक उद्यमियों के लिए नए रास्ते तलाशना अनिवार्य हो गया है,

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो दिनेश चन्द्र राय ने सीआईएमपी का बीआरए बिहार विश्वविद्यालय और लंगट सिंह कॉलेज के साथ एमओयू के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देना है. ऐसे आयोजन से छात्रों को अपने उद्यमशीलता विचारों का पता लगाने और नवीन समाधान बनाने के लिए प्रेरित करने में मदद मिलती है. उन्होंने छात्रों को स्टार्टअप की लगातार विकसित हो रही दुनिया में सफल होने के लिए जोखिम लेने, लीक से हटकर सोचने और अपनी रचनात्मकता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया. कुलपति प्रो राय ने कहा कि अपने सपनों पूरा करने की कोई उम्र सीमा नहीं होती. अपने जुनून, लक्ष्य और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में कभी देर नहीं होती. दृढ़ संकल्प, दृढ़ता और कड़ी मेहनत के साथ, आप किसी भी उम्र में कुछ भी हासिल कर सकते हैं, उन्होंने कहा की वर्तमान सरकार सभी के सपनो को पूरा करने में सहयोगात्मक रुख रखती है. स्टार्टअप के इच्छुक व्यक्तियों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए भी कदम उठाए हैं. इससे इच्छुक उद्यमियों और नवप्रवर्तकों के लिए सिस्टम को नेविगेट करना और आवश्यक पहुंच बनाना आसान हो गया है.

कार्यक्रम को डॉ साजिदा अंजुम और डॉ अंकित शर्मा ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी समन्वयक तथा एमओयू के तहत होने वाले गतिविधियों के मुख्य सूत्रधार प्रो राजीव कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय पीआरओ प्रो राजीव झा ने किया. मौके पर डॉ शरतेंदु शेखर, सीआईएमपी से राजीव कुमार, प्रो जफर सुलतान, प्रो फैयाज अहमद, प्रो एस आर चतुर्वेदी, डॉ राजीव कुमार, डॉ दिलीप कुमार, डॉ रीमा कुमारी, डॉ स्वीटी सुप्रिया, डॉ नवीन कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ कुमार बलवंत, डॉ गुंजन कुमार, डॉ इम्तियाज,डॉ सीमा कुमारी, आनंद कुमार, ऋषि कुमार, सत्येंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

O.P. ROY
PRINCIPAL

NAVIGATING THE STARTUP JOURNEY
FROM IDEA TO EXECUTION